02/02/2026

आकाशवाणी ईटानगर

लोकसभा में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के संसद के दोनों सदनों की संयुक्त बैठक में दिए गए भाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा शुरु हुई। आज निचले सदन में प्रस्ताव पेश करते हुए, केंद्रीय मंत्री और BJP MP सर्बानंद सोनोवाल ने कहा कि राष्ट्रपति मुर्मु के अभिभाषण महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने कहा कि अभिभाषण में देश के भविष्य के लिए प्रेरणादायक दृष्टिकोण प्रस्तुत किया गया है। संसदीय मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा है कि यह चर्चा तीन दिनों तक चलेगी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बुधवार को लोकसभा में चर्चा का जवाब देंगे। राज्यसभा में भी राष्ट्रपति के भाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा शुरू हुई।

0000000000000000000000

अरुणाचल प्रदेश के राज्यपाल, लेफ्टिनेंट जनरल रिटायर्ड के.टी. परनाइक, ने राज्य वासियों, विशेषकर आदी समुदाय को दोंङगिन त्योहार के अवसर पर हार्दिक शुभकामनाएं दीं हैं। इस अवसर पर उन्होंने कहा है कि, दोंङगिन कृषि-बागवानी आधरित नए ऋतु की शुरुआत का प्रतीक है और लोगों एवं प्रकृति के बीच गहरे सबंधों को दर्शाता है। राज्यपाल ने कहा कि पीढ़ियों से चला आ रहा यह उत्सव, आदी समुदाय के समृद्ध भावनात्मक, कलात्मक और सामाजिक मूल्यों को बढ़ावा देता है।

अपने संदेश में यह कामना की है कि, यह त्योहार खुशी, समृद्धि, भरपूर फसल के साथ ही सभी के बीच एकता एवं भाईचारे को भी मजबूती प्रदान करेगा।

0000000000000000000000

NHPC लिमिटेड ने अरुणाचल प्रदेश-असम सिमांत क्षेत्र में दो हज़ार मेगावॉट के सुबनसिरी लोअर जलविद्युत परियोजना के तहत दो बड़ी उपलब्धी हासिल किए हैं, जिससे भारत की स्वच्छ ऊर्जा क्षमता को और मज़बूती मिली। इसके अलावा, दो सौ पचास मेगावॉट वाली तीसरी यूनिट को गत इक्तीस जनवरी को नेशनल ग्रिड के साथ सफलतापूर्वक समयोजित किया गया, जिसके बाद पहली फरवरी की आधी रात से दो सौ पचास मेगावॉट वाली दूसरी यूनिट के कमर्शियल ऑपरेशन की घोषणा की गई। इसके साथ ही, इसी के साथ, योजना द्वारा नेशनल ग्रिड में पांच सौ मेगावॉट साफ़ पनबिजली जोड़ दी गई है।

0000000000000000000000

दिबांग वैली जिले के आनिनी में इदु मिश्मी समुदाय का सबसे महत्वपूर्ण सांस्कृतिक त्योहार रेह का बड़े उत्साह के साथ आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री पेमा खांदू, डिप्टी उपमुख्यमंत्री चाउना मेन, MP तापिर गाओ, विधायकगण सहित बॉलीवुड सिंगर उदित नारायण एवं आदित्य नारायण ने शिरकत की।

इदु मिश्मी समुदाय को शुभकामनाएं देते हुए, मुख्यमंत्री ने समुदाय के प्रकृति के साथ गहरे सांस्कृतिक संबंधों पर ज़ोर दिया। इस मौके पर, मुख्यमंत्री ने चौदह विकास परियोजना का उद्घाटन किया और दो मेगावॉट के आंजे वाटर माइक्रो हाइडल स्टेशन की नींव भी रखी।

0000000000000000000000

गुवाहाटी हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस और अरुणाचल प्रदेश स्टेट लीगल सर्विसेज़ अथॉरिटी - APSLSA के पैट्रन-इन-चीफ, जस्टिस आशुतोष कुमार ने कहा कि कानून की तरह संगीत भी समाज को जोड़ सकता है, क्योंकि यह भाषा और संस्कृति की सीमाओं से परे लोगों तक पहुंचता है। APSLSA के थीम गीत “अरुणाचल तुम भारत को जगाते हो” को जारी करते हुए उन्होंने कहा कि न्याय का संवेदनात्मक जुड़ाव होना चाहिए, जो मानवीय, सुलभ और लोगों पर केंद्रित हो। सुलह, मध्यस्थता और लोक अदालतों पर जोर देते हुए जस्टिस कुमार ने कहा कि न्याय को भरोसा बहाल करते हुए गरिमा बनाए रखनी चाहिए। उन्होंने कानूनी जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए APSLSA की क्रिएटिव पहल की सराहना की। जस्टिस ने कानूनी जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए APSLSA की क्रिएटिव पहल की सराहना की। इस अवसर पर जस्टिस संजय कुमार मेधी ने कहा कि गाने का मकसद दूर-दराज के इलाकों तक पहुंच सुनिश्चित करना है। कारयक्रम में जस्टिस करदाक एते एवं बुदी हाबुंग भी मौजूद रहें।

0000000000000000000000

अरुणाचल प्रदेश के तिराप ज़िले के देवमाली सबडिवीजन में मानव-हाथी संघर्षों के बढ़ने से लोगों की जान, फसल और आजीविका में नुकसान बढता जा रहा है। इसे देखते हुए वन विभाग द्वारा बचाव के उपाय तय करने के तहत एक महत्वपूर्न बैठक का आयोजना किया गया। चेयरमैन बी. एस. बोनाल के नेतृत्व में बनी मानव-हाथी संघर्ष को कम करने के लिए क्षेत्रीय कार्य योजना समिति की इस बैठक में सोलर फेंसिंग, सोलर स्ट्रीट लाइट लगाने और एक एलिफेंट प्रोटेक्शन फोर्स के गठन जैसे महत्वपूर्ण कदमों पर ज़ोर दिया गया। किसानों, PRI सदस्यों, गांव बूढा और स्व सहायता समूहों समेत सभी प्रतिभागियों ने हाथियों द्वारा बार-बार होने वाली घटनाओं पर ज़ोर देते हुए मानव जीवन एवं खेतों की सुरक्षा के लिए तुरंत कदम उठाने की अपील की गई।

0000000000000000000000

शनिवार को पासीघाट स्थित गिदी नोतको में एक स्वदेशी आस्था सम्मेलन - स्वधर्म सम्मेलन - **आगिके येलाम गिदुम** का आयोजन किया गया, जिसमें आदी समुदाय सहित नेपाली, बोडो, बंगाली, मारवाड़ी एवं बौद्ध जैसे अन्य समुहों के लगभग दस हज़ार स्वदेशी आस्था के अनुयायी शामिल हुए।

कार्यक्रम के तहत वक्ताओं द्वारा अरुणाचल प्रदेश की संस्तृतिक विरासत के संरक्षण, विशेषकर युवाओं के बीच, पुरखों की धार्मिक परंपराओं को संरक्षित एवं बढावा देने की आवश्यक्ता पर ज़ोर दिया।

0000000000000000000000